Division No. 14] **AYES** [17 hrs.

Aney, Dr. M.S.	Kakkar, Shri Gauri Shanker	Singh, Shri Y.D.
Bade, Shri	Kapur Singh, Shri	Sinhasen Singh, Shri
Kachhavaiya, Shri Hukam Chand	Shastri, Shri Prakash Vir	Yashpal Singh, Shri

NOES

Akkamma Devi, Shrimati	Jyotishi, Shri J.P.	Prabhakar, Shri Naval
Alva, Shri A.S.	Kindar Lal, Shri	Rai, Shrimati Sahodra Bai
Azad, Shri Bhagwat Jha	Koujalgi, Shri H.V.	Raj Bahadur, Shri
Bahunath Singh, Shri	Krishnamachari, Shri T.T.	Rajaram, Shri
Basappa, Shri	Kureel, Shri B.N.	Rane, Shri
Bhagavati, Shri	Lakshmikanthamma, Shrimati	Samanta, Shri S.C.
Brajeshwar, Shri	Lalit Sen, Shri	Sen, Shri P.G.
Chandrabhan Singh, Shri	Malaichami, Shri	Shree Narayan Das, Shri
Chandrasekhar, Shrimati	Mehrotra, Shri Brai Bihari	Siddananjappa, Shri
Das, Shri B.K.	Mukane, Shri	Snatak, Shri Nardeo
Dass, Shri C.	Niranjan Lal, Shri	Sumat Prasad, Shri
Deshmukh, Shri B.D.	Pandey, Shri Vishwa Nath	Tyagi, Shri
Dighe, Shri	Patil, Shri D.S.	Vaishya, Shri M.B.
Heda, Shri	Patil, Shri V.T.	Verma, Shri Balgovind
Iqbal Singh, Shri	Pattabhi Raman, Shri C.R.	

Mr. Deputy-Speaker: The result of the Division is: Ayes 9; Noes 44.

The motion was negatived.

17.01 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL

(Amendment of Articles 1, 2, 3, 4 etc.)

श्री प्रकाशवीर शास्त्री (बिजनौर) : उपाध्यक्ष महोदय, "मैं भारत के संविधान में आगे संशोधन करने वाले अपने संविधान (संशोधन) विधेयक 1965 को प्रस्तुत करता हूं ।"

इस विधेयक को उपस्थित करते समय मैं इस की पृष्ठभूमि पर कुछ प्रकाश डालना आवश्यक समझता हूं । भारत सरकार ने स्वतंत्रता से पहले, हमारी सत्तारूढ़ पार्टी ने, जो कुछ आश्वासन इस देश को दिये थे, विशेषकर, उस समय जबकि उन्होंने यह कहा था कि स्वतंत्र होने के बाद हम देश में भाषावार प्रान्तों का निर्माण करेंगे उस समय उस में फंस कर वह निर्णय इस प्रकार का ले तो बैठे लेकिन इन निर्णयों का जो दुष्परिणाम हुआ और एक भाषा वाले प्रान्त ने दूसरे भाषा वालों को जिस दृष्टि से देखना आरम्भ किया उस भूल को सरकार ने बाद में स्वीकार किया और उस भूल का प्रायश्चित करने के लिए भारत सरकार ने दूसरा मार्ग निकाला और वह यह कि सारे देश को पांच भागों में विभक्त कर दिया जाय और पांच जो क्षेत्रीय परिषदें हैं उन के कुछ अधिकार बढ़ा दिये जायें । जिस समय उन्होंने अधिकार बढ़ाने की बात सोची और इस का निर्णय किया . . . .

उपाध्यक्ष महोदय : चूंकि अब पांच बज चुके हैं इसलिए माननीय सदस्य अगली बार अपना भाषण जारी रखेंगे ।

17.01½ hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

THIRTY-NINTH REPORT

Shri Rane (Buldana): I beg to present the Thirty-ninth Report of the Business Advisory Committee.

17.02 hrs.

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Monday, September 6, 1965/Bhadra 15, 1887 (Saka).

GMGIPND—LS II—1114 (Ai) LSD—28-9-65—970.